



भोर और बरखा 16





रजनी बीती, भोर भयो है, घर-घर खुले किंवारे। गोपी दही मथत, सुनियत हैं कंगना के झनकारे।। उठो लालजी! भोर भयो है, सुर-नर ठाढ़े द्वारे। ग्वाल-बाल सब करत कुलाहल, जय-जय सबद उचारे।। माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे। मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारे।।



2

बरसे बदिरया सावन की। सावन की, मन-भावन की।। सावन में उमग्यो मेरो मनवा, भनक सुनी हिर आवन की। उमड़-घुमड़ चहुँदिस से आया, दामिन दमके झर लावन की।। नन्हीं-नन्हीं बूँदन मेहा बरसे, शीतल पवन सुहावन की। मीरा के प्रभु गिरधर नागर! आनंद-मंगल गावन की।।

🗖 मीरा बाई



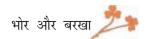
🥟 कविता से

- 1. 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यारे', 'लाल जी', कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं?
- 2. नीचे दी गई पंक्ति का आशय अपने शब्दों में लिखिए— 'माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।'
- 3. पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।
- 4. मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?
- 5. पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

कविता से आगे

- मीरा भिक्तिकाल की प्रसिद्ध कवियत्री थीं। इस काल के दूसरे किवयों के नामों की सूची बनाइए तथा उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।
- सावन वर्षा ऋतु का महीना है, वर्षा ऋतु से संबंधित दो अन्य महीनों के नाम लिखिए।







अनुमान और कल्पना

- 1. सुबह जगने के समय आपको क्या अच्छा लगता है?
- 2. यदि आपको अपने छोटे भाई-बहन को जगाना पड़े, तो कैसे जगाएँगे?
- 3. वर्षा में भीगना और खेलना आपको कैसा लगता है?
- 4. मीरा बाई ने सुबह का चित्र खींचा है। अपनी कल्पना और अनुमान से लिखिए कि नीचे दिए गए स्थानों की सुबह कैसी होती है—
 - (क) गाँव, गली या मुहल्ले में
 - (ख) रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर
 - (ग) नदी या समुद्र के किनारे
 - (घ) पहाडों पर



भाषा की बात

- कृष्ण को 'गउवन के रखवारे' कहा गया है जिसका अर्थ है गौओं का पालन करनेवाले। इसके लिए एक शब्द दें।
- 2. नीचे दो पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें से पहली पंक्ति में रेखांकित शब्द दो बार आए हैं, और दूसरी पंक्ति में भी दो बार। इन्हें पुनरुक्ति (पुन: उक्ति) कहते हैं। पहली पंक्ति में रेखांकित शब्द विशेषण हैं और दूसरी पंक्ति में संज्ञा।
 - '<u>नन्हीं-नन्हीं</u> बूँदन मेहा बरसे'
 - 'घर-घर खुले किंवारे'
 - इस प्रकार के दो-दो उदाहरण खोजकर वाक्य में प्रयोग कीजिए और देखिए कि विशेषण तथा संज्ञा की पुनरुक्ति के अर्थ में क्या अंतर है? जैसे-मीठी-मीठी बातें, फूल-फूल महके।



 कृष्ण को 'गिरधर' क्यों कहा जाता है? इसके पीछे कौन सी कथा है? पता कीजिए और कक्षा में बताइए।



